

प्रेषक,

राधा रतूड़ी

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास

देहरादून, उत्तराखण्ड।

महिला स०, बा० वि० एवं सै० क० अनुभाग

देहरादून: दिनांक 17 मार्च, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में 0301-सैनिक मुख्यालय अधिष्ठान मदों में अवशेष धनराशि को आवश्यक वचनबद्ध मदों में पुनर्विनियोग किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्रांक संख्या:-2002/बजट/सै.क./पुर्न./07-08/1,2,3,4 एवं 5 दिनांक 10 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 में 0301-सैनिक मुख्यालय अधिष्ठान के अनुदान संख्या-15 के आयोजनेतर मद में संलग्न प्रारूप के विवरण के अनुसार अवशेष धनराशि रुपये 22.85 हजार (रुपये बाईस लाख पच्चासी हजार मात्र) को आवश्यक / वचनबद्ध मदों में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
2. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल अनुसार शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति, यदि आवश्यक हो तो, ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
3. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
4. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अंतर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध करना सुनिश्चित किया जाए।

6. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।
7. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अंतर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
8. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय अनुमोदित परिव्यय की सीमा तक ही किया जाए।
9. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के "आयोजनेत्तर पक्ष" के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण-60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम-200-अन्य कार्यक्रम-03-सैनिक कल्याण-0301-सैनिक मुख्यालय में संलग्न प्रारूप के कॉलम-5 के सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न प्रारूप बी0एम0-15 के पुनर्विनियोग कॉलम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।
10. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या:-498(NP)/XXVII(3)/2008, दिनांक 17 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीया
(राधा रतूड़ी)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1/8 (1)/XVII(2)/2007-09(16)/2007 तदुदिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(राधा रतूड़ी)

बी0एम0-15

(पैरा-15B)

वित्तीय वर्ष 2007-08

प्र0 विभाग- सै0क0 विभाग

(जनराशि हजार रुपये में)

15

निर्देशक अधिकारी-सचिव, सैनिक कल्याण, उत्तरखण्ड शासन।

बजट प्राविधानित लेखाशीर्षक का विवरण		मानक मंदवार आवधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	आवधिक (सरफरस जनराशि)	लेखाशीर्षक जिसमें जनराशि स्थानांतरित की जानी है	पुनर्वित्तियोग के बाद स्लॉम-5 की कुल जनराशि	पुनर्वित्तियोग के बाद स्लॉम-1 में आवधिक जनराशि	अनुमानित
1		2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-015					अनुदान संख्या-015			
2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण आयोजनसेर, 60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम, 200-अन्य कार्यक्रम, 03-सैनिक कल्याण, 01-सैनिक मुख्यालय					2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण आयोजनसेर, 60-अन्य सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम, 200-अन्य कार्यक्रम, 03-सैनिक कल्याण, 01-सैनिक मुख्यालय			
17-किराया उपभुक्त	240	225	0	15	18-प्रकाशन	15	80	225 पूर्व में मद संख्या-18 प्रकाशन में पुनर्वित्तियोग के माध्यम से रुपये 40000/- की जनराशि स्वीकृत की जा चुकी है, एवं वर्तमान रुपये 15000/- की जनराशि की अतिरिक्त आवश्यकता को देखते हुये यह स्वीकृति की जा रही है।
44-प्रशिक्षण व्यय	20	0	0	20	04-यात्रा व्यय	20	220	0 जनपद कार्यालयों के विभिन्न अधिकारियों/कार्मियों द्वारा समय-समय पर भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के कल्याण हेतु भ्रमण इत्यादि संबंधी सम्बन्धित व्ययों के भुगतान हेतु।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु-03

संख्या-498(NP)(1)/XXVII(3)/2008

देहरादून 17 मार्च, 2008

सेवा में,

महालेखाकार,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

पुनर्विधायक स्वीकृत

(अर्जुन सिंह)

(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।

पृथक्कन संख्या- 118 (1)/XVII(2)/2008-09(16)/2007

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निदेशक, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. आदेश चंदिगढ़।

आज्ञा से,

(सचिव सखी)

सचिव, सैनिक कल्याण विभाग,